हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 9 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मंडी क्षेत्र में अवैध गेहूं परिवहन पर कार्रवाई, 57,825 रुपये की मंडी शुल्क एवं दंड राशि वसूल

मण्डला। कृषि उपज मंडी समिति मंडला द्वारा गठित उड़नदस्ता दल ने मंडी क्षेत्र में वाहन निरीक्षण के दौरान अवैध रूप से गेहूं का परिवहन करते हुए एक ट्रक को पकड़ा। कार्रवाई के दौरान मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर संबंधित वाहन से मंडी शुल्क एवं दंड स्वरूप कुल 57,825 रुपये की राशि जमा कराई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 7 जुलाई को निरीक्षण के दौरान वाहन क्रमांक एमपी 20 एचबी 7115 में बिना वैध दस्तावेजों के लगभग 300 क्विंटल गेहूं का परिवहन किया जा रहा था। जांच के बाद मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम, 1972 की धारा 19(6) के तहत प्रकरण तैयार कर आगे की कार्रवाई की गई। मंडी समिति ने संबंधित वाहन से 48,375 रुपये मंडी शुल्क, 6,450 रुपये निराश्रित शुल्क तथा 3,000 रुपये समझौता शुल्क सहित कुल 57,825 रुपये जमा कराए। मंडी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कृषि उपज का अवैध परिवहन रोकने के लिए मंडी क्षेत्र में लगातार निरीक्षण अभियान जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिले में 8 जुलाई को 5.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई

मण्डला। जिले में इस वर्ष 1 जून से 8 जुलाई 2026 के दौरान 249.6 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है जबकि इसी अवधि तक गत वर्ष 792.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 543 मिलीमीटर कम वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 जुलाई 2026 को बिछिया में 6.6 मि.मी., निवास में 4.2 मि.मी., घुघरी में 2.1 मि.मी. एवं नारायणगंज में 21.6 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इस प्रकार जिले में 8 जुलाई 2026 को 5.7 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मी एवं सोशल मीडिया क्रिएटर्स हुए सम्मानित

सेफ क्लिक 2.0 अभियान का हुआ समापन

*** 200 से अधिक गुम मोबाइल लौटाए गए।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार जिले में संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के 15 दिवसीय सफल संचालन के उपरांत आज आर.डी. कॉलेज सभागार, मंडला में समापन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर राहुल नामदेव धोते, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद कछवाहा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा, डीएसपी सतीश चतुर्वेदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आर.डी. कॉलेज के प्राचार्य, खेल विभाग के अधिकारी, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएँ, रक्षित निरीक्षक, थाना प्रभारी कोतवाली, थाना प्रभारी महाराजपुर, थाना प्रभारी बिछिया, थाना प्रभारी घुघरी, महिला थाना प्रभारी, साइबर सेल प्रभारी सहित पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

15 दिवसीय अभियान की उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री शिव कुमार वर्मा ने सेफ क्लिक 2.0 अभियान की विस्तृत रूपरेखा एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों, बाजारों, बैंक, शासकीय कार्यालयों तथा सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के माध्यम से हजारों विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, व्यापारियों एवं आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने का संदेश दिया गया।

साइबर अपराधों से बचाव का दिया गया संदेश

मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल अरेस्ट, सेक्सटॉर्शन, ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, फर्जी लिंक, फिशिंग, निवेश एवं पार्ट-टाइम जॉब फ्रॉड, OTP एवं UPI धोखाधड़ी जैसे साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। इनसे बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम जागरूकता एवं सतर्कता है। नागरिकों से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक अथवा ऑनलाइन लेन-देन पर बिना सत्यापन विश्वास न करें तथा किसी भी साइबर घटना की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) पर शिकायत दर्ज करें।

पुलिस अधीक्षक ने किया साइबर सैनिक बनने का आह्वान

पुलिस अधीक्षक श्री राजेश रघुवंशी ने कहा कि सेफ क्लिक 2.0 अभियान केवल एक जागरूकता कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में साइबर सुरक्षा की संस्कृति विकसित करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक यदि स्वयं जागरूक रहेगा और अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करेगा, तो साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों एवं युवाओं से साइबर सैनिक बनकर डिजिटल सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम में उत्कृष्ट एवं त्वरित सेवाओं के लिए डायल-112 के पुलिसकर्मियों, सेफ क्लिक 2.0 अभियान में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुँचाने वाले यूट्यूबर्स एवं सोशल मीडिया क्रिएटर्स को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

200 से अधिक गुम एवं चोरी हुए मोबाइल लौटाए गए

साइबर सेल एवं मंडला पुलिस द्वारा खोजे गए 200 से अधिक गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे गए। मंडला पुलिस की अपील- रुको – सोचो–फिर कार्रवाई करो।

पंचायत में किस लिये खरीदे जा रहे टायर-ट्यूब

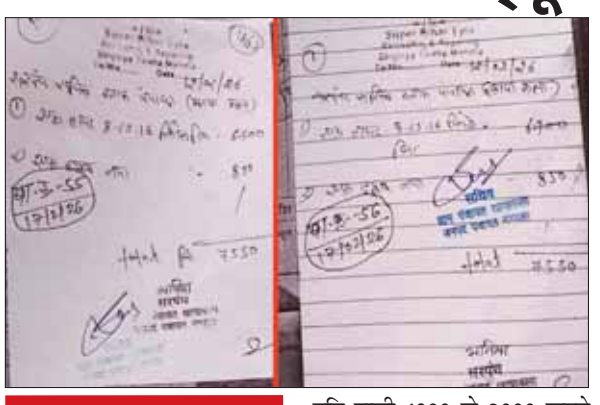

*** 4500 रूपये प्रति ट्राली खरीदी गई रेत।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

निर्माण कार्यों में पारदर्शिता हो और शासकीय राशि में किसी तरह का हेरफेर न हो इसके लिये प्रत्येक पंचायतों में निर्माण सामग्री के लिये निविदा निकाली जाती है और जिस निविदाकार की कीमत कम होती है उसे ही निर्माण सामग्री सप्लाई का ऑर्डर दिया जाता है लेकिन पंचायतों में तो कुछ और ही खेल चल रहा है। ग्राम पंचायत खापाकला की ही बात करें तो यहां एक ही फर्म मार्को ट्रेडर्स के बिल पंचायतों में लगे हुये हैं जिनके माध्यम से हर तरह की निर्माण सामग्री पंचायत को विक्रय की जा रही है निर्माण सामग्री के अलावा स्पीकर सेट, टेन्ट तथा पुट्टी पेंट आदि भी इसी मार्को ट्रेडर्स द्वारा पंचायत को सप्लाई किये गये हैं। हैरत तो इस बात की है कि कुछ बिल ऐसे हैं जिसमें प्रोपराईटर के हस्ताक्षर भी नहीं है सिर्फ सरपंच, सचिव के ही हस्ताक्षर हैं।

सामग्रियों के जो दाम बिलों में उल्लेखित हैं वे बाजार दाम से बहुत ज्यादा हैं जनवरी, फरवरी के माह में जबकि रेत प्रति ट्राली 1900 से 2000 रूपये तक में आसानी से प्राप्त हो रही थी तब पंचायत द्वारा 4500 रूपये प्रति ट्राली की दर से रेत के बिल लगाये गये हैं। अब क्या निविदा 4500 रूपये प्रति ट्राली की दर से मान्य की गई थी या कुछ और थी यह तो जांच के बाद ही सामने आयेगा। पंचायत द्वारा दो टायर और दो ट्यूब खरीदे जाने के भी बिल लगाये गये हैं प्रत्येक बिल 7550 रूपये का है अब इन टायर ट्यूब को पंचायत द्वारा क्यों खरीदा गया जबकि पंचायत में पानी के लिये बाकायदा किराये का पानी टेंकर मंगाया जाता रहा है जिसकी कीमत 2000 रूपये प्रति टेंकर की दर से अदा की गई है।

टिकरिया पुलिस का ऑटो वालों को सख्त आदेश

नारायणगंज। टिकरिया पुलिस द्वारा ऑटो वालों को इकट्ठा कर उन्हें समझाया गया की बीच बस स्टैंड में ऑटो में सवारी ना भरी जाए नियम एवं यातायात नियमों का पालन किया जाए जिस रोड की ऑटो है उसी रोड पर लगाई जाए जिससे हो रही परेशानी दूर हो सके ऑटो वालों की मनमानी के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है बीच बस स्टैंड में ऑटो वालों की धमा चौकड़ी होने के कारण लोगों को पैदल चलना मुश्किल हो रहा है बस स्टैंड चौराहे में इस कदर बाजार हाट के दिन जाम की स्थिति होती है इमरजेंसी वाहन एवं दोपहिया वाहन को निकालने में परेशानी का सामना करना पड़ता है थाना टिकरिया टी आई प्रदीप पांडे द्वारा सभी ऑटो चालकों को एवं जीप चालकों को बुलाकर उन्हें समझाया गया और उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि अगर नियमों का पालन नहीं किया गया तो चालानी कार्रवाई की जावेगी जिसकी जवाबदारी ऑटो चालकों की होगी उन्हें निर्देश दिया गया कि बस स्टैंड में ऑटो में सवारी ना बिठाई जाए एवं ऑटो को सड़क के किनारे खाली जगह में लगाई जाए एवं जिस गांव की सवारी ऑटो चालक ले जाया जाता है इस रोड में ऑटो लगाई जाए जिससे जाम जैसी स्थिति नहीं हो पाएगी अगर ऑटो चालक नियमों का पालन नहीं करेंगे तो उनके ऊपर सख्त कार्रवाई की जावेगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला वन अधिकार समिति की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला वन अधिकार समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें पिछली बैठक में रिव्यू के लिए भेजे गए दावों के साथ उपखण्ड स्तरीय समितियों द्वारा जिला स्तरीय समिति को प्रेषित दावा प्रकरणों की समीक्षा की गयी। कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने कहा कि ऐसे सभी प्रकरण जिन्हें मान्य करते हुए अनुशंसा की गयी है, उन पर वन विभाग के जिला अधिकारियों से आवश्यक अभिमत लें। वन मण्डल अधिकारियों द्वारा मान्य 52 दावों को जिला स्तरीय बैठक में मान्य किया गया। जिनमें से बफर जोन के 41 एवं पूर्व सामान्य वन मण्डल के 11 दावे शामिल हैं। बैठक में धारा 3(2) के अंतर्गत समिति के समक्ष रखे गए तीनों प्रकरणों में एनओसी जारी करने का निर्णय लिया गया। कलेक्टर श्री धोटे ने उपखण्ड स्तरीय समितियों द्वारा अमान्य किए गए सभी दावों का एक बार पुनः समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब तक दावों का अंतिम निराकरण न हो तब तक किसी भी कब्जाधारी के खिलाफ बेदखली की कार्रवाई न की जाए। उन्होंने एसी ट्राईबल को प्रत्येक दावा प्रकरण का बारीकी से अध्ययन करने के निर्देश दिए। इस दौरान वन मण्डल अधिकारी एमएस मौर्य, उपसंचालक बफर जोन सुश्री अनीता केबी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य अरूण शुक्ला, महाप्रबंधक पीएमजीएसवाय श्रीमती ऊषा चौधरी, क्षेत्रीय संयोजक जनजातीय कार्य रंजीत गुप्ता सहित संबंधित मौजूद रहे।

अवैध बोर खनन पर प्रशासन की रोक

भुआबिछिया। नेवास बहेरा मार्ग पर बिना अनुमति बोर खनन किए जाने की सूचना मुखबिर से मिलने पर राजस्व विभाग ने त्वरित कार्रवाई की। तहसीलदार बिछिया के निर्देशन में राजस्व निरीक्षक एवं संबंधित हल्का पटवारी ने मौके पर पहुंचकर जांच की और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान बोर खनन में प्रयुक्त वाहन को जब्त कर थाना भुआ बिछिया के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। राजस्व विभाग ने बताया कि बिना वैधानिक अनुमति के बोर खनन करना नियमों के विरुद्ध है। प्रशासन ने ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई किए जाने की बात कही है तथा अवैध खनन एवं नियमों के उल्लंघन की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई जारी रखने का आश्वासन दिया है।

विकास | बम्हनीबंजर में सड़क चौड़ीकरण की मांग ठुकराई गई।

1 करोड़ के पेवर ब्लॉक को मिली मंजूरी

*** पहले की स्थिति को देख लोगों ने किया विरोध।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/बम्हनीबंजर

नगर में वर्षों से चली आ रही मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण की मांग को एक बार फिर अनसुना कर दिया गया। PIC की बैठक में जनप्रतिनिधियों ने सिलगी नाका से सिविल लाइन नाका तक दोनों तरफ लगभग 1 करोड़ रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक और स्ट्रीट लाइट लगाने की मंजूरी दे दी।

परिषद की बैठक में पिछले एक साल से पार्षद और आम जनता मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण की मांग कर रहे हैं। इसके बावजूद PIC में कुछ पार्षदों की रमजबूरीर के कारण पेवर ब्लॉक के प्रस्ताव को पास कर दिया गया। इस फैसले के बाद नगर में आक्रोश फैल गया है।

पेवर ब्लॉक से राहत नहीं, अतिक्रमण बढ़ेगा

स्थानीय लोगों का कहना है कि पेवर ब्लॉक लगाने से आम जनता को कोई राहत नहीं मिलेगी। इससे सड़क और संकरी होगी और अतिक्रमण का दायरा बढ़ जाएगा।

नगरवासियों ने बताया कि मुख्य मार्ग पर पहले भी करीब 9-10 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक लगवाए गए थे, लेकिन वे आज जगह-जगह से क्षतिग्रस्त पड़े हैं। यही हाल वार्ड नंबर 6 का भी है जहां पेवर ब्लॉक बिखरे हुए हैं। बावजूद इसके प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

हादसों का खतरा, 50 गांवों का दबाव

बम्हनीबंजर का मुख्य मार्ग बेहद संकरा है। इसके बावजूद यहां से रोजाना भारी वाहन गुजरते हैं और करीब 50 गांवों का आना-जाना लगा रहता है। सड़क संकरी होने के कारण हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता है। अब तक कई बड़े हादसे हो चुके हैं जिनमें स्कूली बच्चे भी घायल हुए हैं।

मंत्री संपतिया उईके से गुहार, आंदोलन की चेतावनी

नगर की जनता ने मंडला विधानसभा की विधायक एवं कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके से मांग है कि बम्हनी नगर की जनता के हित में फैसले लिए जाने के लिए प्रयास किए जाएं। अब जनता की एकमात्र मांग है कि पेवर ब्लॉक तुरंत निरस्त किया जाए और मुख्य मार्ग चौड़ीकरण किया जाए, ताकि जाम, अतिक्रमण और दुर्घटनाओं से छुटकारा मिल सके।

विरोध में नगर के जागरूक नागरिकों ने हस्ताक्षर अभियान शुरू कर दिया है। घर-घर जाकर आवेदन पर साइन कराए जा रहे हैं। इसमें आम जनता के साथ कई जनप्रतिनिधि भी शामिल हो रहे हैं।

नगरवासियों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो वे बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

नंदू चंद्रौल का कहना है कि बम्हनीबंजर को 50 गांवों का केंद्र माना जाता है, सड़क संकरी होने के कारण ट्रैफिक का दवाब बढ़ रहा है, यहां कई बार दुर्घटनाएं होती रहती हैं। बस स्टैंड में अव्यवस्थाएं रहती है। यहां जनहित को देखते हुए शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को सड़क चौड़ीकरण किया जाना चाहिए न कि पेवर ब्लॉक लगाकर अतिक्रमणकारियों को बढ़ावा देना चाहिए।

श्रद्धालु गोलू सोनी का कहना है कि बम्हनीबंजर में कई वर्षों से सड़क चौड़ीकरण का सपना नगर की जनता देख रही है लेकिन यहां के जनप्रतिनिधि सड़क चौड़ीकरण करने की बजाय पेवर ब्लॉक लगाकर विकास कार्य करने का दिखवा कर रही है। जबकि डिवाइडर और सड़क चौड़ीकरण करने की स्वीकृति मिल गई थी लेकिन इस प्रस्ताव को कैंसिल कर पेवर ब्लॉक लगाने का फैसला किया गया। शासन-प्रशासन से मांग है कि जनहित को देखते हुए सड़क चौड़ीकरण किया जाए ताकि जाम जैसी स्थिति का सामना न करना पड़ें।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन से घायलों को सुरक्षित निकालकर बचाई जान

*** 'अग्निमंडल' समूह ने किया मनीष बर्मन का सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

स्थानीय क्षेत्र के निवासी मनीष बर्मन और उनके सहयोगियों ने मानवता का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए एक भीषण सड़क दुर्घटना में चार लोगों की जान बचाई है। इस साहसी कार्य के लिए मंगलवार को सामाजिक समूह 'अग्निमंडल' द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया गया।

क्या थी घटना?

जानकारी के अनुसार, 6 जुलाई की रात्रि को नारायणगंज के बलाई पुल पर मध्य प्रदेश शासन का एक शासकीय बुलेरो वाहन मोटरसाइकिल सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गया था। वाहन में एक पुरुष, दो महिलाएं और एक 2 साल की बच्ची सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही वहां मौजूद मनीष बर्मन और उनके साथियों ने बिना समय गंवाए तत्परता दिखाते हुए घायलों को वाहन से सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया, जिससे समय पर उपचार मिलने के कारण सभी की जान बच सकी।

आयोजित सम्मान समारोह

इस मानवीय कार्य की सराहना करते हुए मंगलवार को 'अग्निमंडल' समूह द्वारा महाआरती के उपरांत एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मनीष बर्मन और उनके सहयोगियों को शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया और उनकी वीरता की प्रशंसा की गई।

इस अवसर पर अग्निमंडल के अध्यक्ष राहुल सोनी 'जानू', संरक्षक रिंकू सोनी, उपाध्यक्ष विवेक शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रियांश अग्रवाल सहित विपत बर्मन, हिरदेश साहू, विजय साहू, कैलाश सोनी और समूह के समस्त सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि मनीष बर्मन और उनके साथियों का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणा है और हर व्यक्ति को मुसीबत में फंसे लोगों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

नगर की सड़कों पर महीनों तक पड़ी रहने वाली निर्माण सामग्री की अनदेखी राहगीरों सहित स्कूली बच्चों को पड़ रही भारी, बारिश के मौसम में वाहनों के फिसलने से घायल हो रहे लोग...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस समय नगर देखा जावे तो नगर में लोगों की जिस तरह की मानसिकता देखने मिल रही है उसके चलते आमजन की जिन्दगी को खतरा बनने से नही चूक रहा है...? वही दूसरी ओर इस सच्चाई को शासन प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि मनमानी करने वालों के हौसले बुलंद होने से नही चूक रहे है। कहने के लिये तो प्रशासन स्तर पर गाडरवारा क्षेत्र की बागडोर अनुभवी व कुशल अधिकारियों की हाथों में बताई जा रही है। मगर उनकी कार्य प्रणाली सिर्फ सोशल मीडिया की सुर्खियों में छाने तक सीमिति होने के कारण आमजन को परेशान होते हुये देखा जा रहा है। जिसमें मुख्य रूप से देखा जावे तो जिम्मेदार अधिकारी व पुलिस प्रशासन के लोगों द्वारा शहर की बिगड़ी हुई व्यवस्थाओं की सच्चाई को नजर अंदाज करते हुये चुप्पी साधी जा रही है। इसी का परिणाम है कि संपूर्ण व्यवस्थाएं भगवान भरोसे हो जाने की स्थिति पहुंचने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर मनमानी करने वालों के हौसले सातवे आसमान पर दिखाई देने में कोई कसर नही छोड़ रहे है... ? क्योंकि नगर में जहां तहां चल रहे भवन निर्माणों को लेकर लोगों द्वारा जिस तरह मुख्य मार्गो पर निर्माण सामग्री रखी जा रही है। वह आमजन के लिये परेशानी का कारण बनने के साथ साथ जन जीवन को संकट में डालने से भी नही चूक रही है। क्योंकि इस समय नया शिक्षा सत्र शुरू होने के साथ साथ बारिश का सीजन वैसे भी वाहन चालको के लिये खतरे से खाली नही रहता है। इसी बीच निर्माण कार्यो के लिये लोगों द्वारा बुलाई गई सामग्री जिस तरह मुख्या मार्गो पर डालने के बाद भूल जाना आम जन के लिये परेशानी का कारण बनने से नही चूक रहा है..? यह बात अलग है कि जब किसी के भवन का निर्माण चलता है तो मार्ग पर भवन निर्माण सामग्री रखना उसकी मजबूरी बन जाती है..? मगर यदि वह सामग्री महिनों तक पड़ी रही तो निश्चित तौर से वह भवन मालिक की मजबूरी नही बल्कि मनमानी का उदाहरण पेश करने से नही चूक पाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के मुख्य मार्गो से लेकर कालोनियों मुहल्लों के आलवा शहर के अनेक मार्गो पर आसानी से देखने मिल सकती है जहां पर महिनों से नगर की मुख्य सड़को पर रखी हुई भवन निर्माणस सामग्री के चलते जहां नगर की यातायात व्यवस्था बदहाल तो हो रही है साथ ही साथ लोगों द्वारा अपने स्वार्थो को पूर्ण करने के लिये सड़को पर रखी गई रेत व गिट्टी के चलते आये दिन वाहन चालक फिसलने के कारण घायल होने से भी नही बच पा रहे है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो नगर में जहां तहां चल रहे शासकीय निर्माणों से लेकर निजी भवन निर्माण के दौरान बुलाई गई रेत गिट्टी नगर में अनेक जगहों पर देखा जा रहा है जहां पर लगभग बीते हुये लम्बे समय से मुख्य मार्ग पर गिट्टी पड़ी हुई है। इस तरह मुख्य सड़क के किनारे रखी हुई इस गिट्टी व रेत के चलते ऐसा अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि शायद भवन निर्माण करने वालों द्वारा इस मार्ग को खरीद ही लिया हो जिसके चलते महिनों तक इस मार्ग पर अपने भवन निर्माण की सामग्री रखने का इन्हे अधिकारी पत्र ही शासन द्वारा प्रदान कर दिया गया हो..? इस संबंध में अनेकों बार मिडिया द्वारा समय समय पर इस सच्चाई को उजागर करते हुये क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत कराया जाता रहता है। मगर इसके बाद भी किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही न होना निश्चित तौर से चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ रहा है। वही दूसरी ओर भवन निर्माण करने वालों द्वारा मनमाने तौर से महिनों तक मुख्य मार्गो पर अपने भवन निर्माण सामग्री रखे जाने के कारण आम लोगों को यहां से निकलना ही मुश्किल हो रहा है तो दूसरी ओर इस प्रकार से लगातार फैल रही रेत गिट्टी के चलते शायद ही ऐसा कोई दिन शेष रहता हो जब यहां पर दो पहिया वाहन चालक गिरने के कारण घायल होते हुये दिखाई न दे रहे हो? इसी प्रकार की स्थिति नगर के अन्य मुख्य मार्गो से लेकर रहवासी कालोनियों व मुहल्लों की देखी जा रही है जहां पर लोगों द्वारा सरकारी सड़को पर कब्जा जमाते हुये रखी गई भवन सामग्री के चलते आम लोगों को आने जाने में लगातार परेशानी का सामना करने के साथ साथ वाहनों के फिसलने से घायल होते हुये देखे जाने के बाद भी नगर पालिका प्रशासन से लेकर जिम्मेदार अधिकारी व पुलिस प्रशासन द्वारा चुप्पी साधी जा रही है? इस प्रकार भवन निर्माणों के लिये बुलाई जाने वाली सामग्री सड़क पर लम्बे समय तक रखने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने की जिम्मेदारी प्रशासन के जिम्मेदारों की होती है। मगर उनकी कार्य प्रणाली को देखते हुये यह अनुमान लगने से नही चूक पा रहा है कि शायद उनको इस नगर की व्यवस्थाओं से कोई लेना देना नही रहे गया है और लोग अपनी मनमानी पर उतारू रहते हुये जिसके दिल में जो आता है वह करने में लगा है? इस प्रकार से सड़को पर महिनों तक भवन निर्माण सामग्री रखते हुये कब्जा करने वालों के खिलाफ जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इसी प्रकार की चुप्पी साधी रही तो निश्चित तौर से नगर में किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्रीमति पटैल के आवास पर मासूम बेअी को अर्पित किये गये श्रद्वा सुमन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। केन्द्र से लेकर प्रदेश की सत्ता में बैठी हुई सरकार द्वारा भले ही मंचों के माध्यम से यह बात कहती रहे कि देश की सुरक्षा मजबूत हाथों में है। मगर देश के प्रांतों में महिलाओं के साथ घटित होने वाली घटनाये जहां सत्ताधारियों द्वारा प्रदान की गई सुरक्षा की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रही है। हालत यह बन चुके है कि महिलाओं से लेकर मासूम बेटियों को अपने घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। इस बात की सच्चाई राज स्थान प्रांत में देखने मिली है जहां पर एक मासूम के साथ किस तरह दरिंदगी देखने मिली है उसके चलते पूरा देश अब समझ चुका है कि आखिरकार देश से लेकर महिलाओं की कितनी सुरक्षा हो पा रही है। इस तरह राजस्थान में 13 वर्षीय मासूम बेटी के साथ हुई अमानवीय घटना से पूरा देश स्तब्ध और व्यथित है। इस हृदय विदारक घटना में दिवंगत बालिका की पावन आत्मा की शांति हेतु हेतु क्षेत्र की पूर्व विधायक एवं कांग्रेस कमेटी की जिला अध्यक्ष श्रीमति सुनीता पटैल के आवास पर कांग्रेसजनों के साथ साथ आम लोगों द्वारा पाँच मिनट का मौन रखकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल के आलवा किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष पटेल, महिला उत्पीड़न निवारण प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका चांदनी दीक्षित, ब्लॉक अध्यक्ष सतीश सैनी, चीचली ब्लाक अध्यक्ष गिरजा शंकर पगुआ, लखन पटेल, किसान कांग्रेस से सत्य नारायण मुकद्म, महिला कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती संगीता जायसवाल, किसान कांग्रेस संयोजक संजय कौरव के आलवा किसान कांग्रेस के मणिकांत पटेल,अशोक चौधरी, सत्येन्द्र चौधरी, मोनू यादव,ओमकार राजपूत, कृष्णकांत कौरव, किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सत्यनारायण कौरव, के.के. गुर्जर, जितेंद्र कौरव, छुट्टन भैया कौरव, मनीष कौरव व युवा कांग्रेस महासचिव भूपेंद्र कौरव, जिला मीडिया प्रभारी सुनील मौजूद थें। सभी उपस्थितजनों ने एक स्वर में इस जघन्य एवं अमानवीय अपराध की कठोर निंदा करते हुए दिवंगत बालिका की आत्मा को शांति के लिये ईश्वर से प्रार्थना करते हुये श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

नगर को विकास को गति देने के साथ सुन्दर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जावेगी- नपा अधिकारी मेहरा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। स्थानीय नगर पालिका अधिकारियों में हुये फेर बदल के बाद नगर परिषद की बागडोर संभालते हुये नवगत मुख्य नगर पालिका अधिकारी ऋतु मेहरा द्वारा बीते हुये दिवस अपनी टीम के साथ नगर के बाजार सहित अन्य जगहों का भ्रमण करते हुये व्यवस्थाओं की जानकारी लेने के साथ साथ चल रहे विकास कार्यो का निरीक्षण भी किया गया। ज्ञात हो कि कुछ माह पहले नगर पालिका प्रशासन तथा राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा शहर की सड़को पर हुये अतिक्रमण के चलते जिस तरह यातायात में बाधा पहुंच रही थी उस अतिक्रमण को हटाने के लिये एक मुहित चलाते हुये शहर की सड़को को अतिक्रमण से मुक्त किया गया था। मगर देखा जा रहा है कि अतिक्रमण मुहिम में शामिल अधिकारियों के तबादला के बाद अतिक्रमण कारियों को ऐसा प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि शायद अतिक्रमण हटाने वाले अधिकारा अब चा चुक ह आर ाजन जगहा स आतक्रमण हटाया गया था उन जगहों पर फिर अतिक्रमण की शुरूआत होते हुये दिखाई देना शुरू हो चुकी है। इस बात को लेकर नवगत मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा नगर के रेलवे स्टेशन क्षेत्र सहित अन्य जगहों का निरीक्षण करते हुये पुनः अतिक्रमण करने वाले लोगों को इस बात से अवगत कराया गया है कि वह हटाये गये अतिक्रमण से मुक्त हुई भूमि पर अतिक्रमण का प्रयास न करे। जिन लोगों द्वारा पुनः अतिक्रमण कर लिया गया है वह खुद ही अपना अतिक्रमण हटा लेने नही तो नगर पालिका द्वारा पूर्व की भांति सख्त कार्यवाही करने की शुरूआत की जावेगी। क्योंकि नगर को विकास की गति देने के साथ साथ शहर की सुन्दर व सुगम बनाने में किसी तरह से कोई कसर नही छोड़ी जावेगी। नगर पालिका द्वारा आमजन की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये किये जा रहे विकास कार्यो में सभी लोगों के सहयोग की जरूरत है। यदि किसी तरह से कोई बाधक बनने का प्रयास करता है तो नपा कार्यवाही करने में पीछे नही रहेगी। इस तरह देखा जा रहा है कि नवगत नगर पालिका अधिकारी द्वारा नगर की जिम्मेदारी संभालने के बाद वह लगातार नगर पालिका टीम के साथ शहर का भ्रमण करते हुये नियमों की अनदेखी करने वालों को पहले तो समझाईश देते हुये देखी जा रही है। यदि इसके बाद भी कोई नही मानता है तो आने वाले दिनों में कार्यवाही के निर्देश भी दिये जा रहे है। इसी प्रकार से नगर में संचालित होने वाले होटलों सहित शादी घरों की जानकारी एकत्र करते हुये उनके अंदर जरूरी सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी जानकारी एकत्र करते हुये सभी लोगों से सुरक्षा संबंधी सनसाधन मौजूद रखने के लिये निर्देशित किया जा रहा है।

दस अगस्त तक जारी रहेगा ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द का समर्थन मूल्य पर उपार्जन कार्य

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के निर्देशानुसार किसानों से ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द का समर्थन मूल्य पर उपार्जन का किया जा रहा है जो 10 अगस्त तक लगातार जारी रहेगा। वही पंजीकृत किसानों एवं पंजीकृत रकबे के आधार पर निर्धारित किए गए उपार्जन केन्द्रों में सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से उपार्जन का कार्य सतत रूप से जारी है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सभी संबंधित उपार्जन समितियों एवं अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। विशेष रूप से मानसून के दौरान संभावित वर्षा को देखते हुए तिरपाल सहित सुरक्षित भंडारण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाएं, जिससे किसानों की उपज सुरक्षित रहे और उपार्जन प्रक्रिया सुचारू रूप से सम्पन्न हो सके। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने बताया कि उपार्जित मूंग एवं उड़द का भुगतान जेआईटी पोर्टल के माध्यम से सीधे किसानों के आधार से लिंक बैंक खातों में किया जाएगा, जिससे भुगतान की प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध बनी रहे। ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द उपार्जन का कार्य निर्धारित 10 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। किसानों से अपेक्षा व्यक्त की गई है कि वे केवल एफएक्यू गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ही मूंग एवं उड़द ही उपार्जन केन्द्रों में लेकर आएं, जिससे उपार्जन कार्य सुगमता एवं शीघ्रता से सम्पन्न हो सके और किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उप संचालक कृषि ने बताया कि गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत मां गुर्जर वेयर हाउस 21 जमाड़ा में सेवा सहकारी समिति सीरेगांव, श्री सांई आशीष वेयर हाउस चीचली रोड में सेवा सहकारी समिति चारगांव, आर. लक्ष्मण वेयर हाउस गरधा रोड में सेवा सहकारी समिति मड़गुला, मां रेवा वेयर हाउस भिढ़वानी देवरी में सेवा सहकारी समिति तूमड़ा विपणन समिति द्वारा उपार्जन का किया जा रहा है। उपार्जन का कार्य सप्ताह में सोमवार से शुक्रवार तक संचालित होगा। कृषक अपनी उपज विक्रय के लिए निर्धारित अवधि में स्लॉट बुकिंग कर सकेंगे। उपार्जन की अंतिम तिथि 10 दिवस तक स्लॉट बुकिंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी और बुक किए गए स्लॉट की वैधता 7 दिवस रहेगी तथा उपार्जन का कार्य सतत रूप से जारी है।

दादा धूनी नगरी में स्थापित एटीएम बने पशुओं के तबेला उपभोक्ताओं को पैसा निकालने में हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। कहने के लिये दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में स्थित बैको द्वारा अपने उपभोक्ताओं को जमा राशि निकालने के लिये एटीएमों की स्थापना तो की गई है। मगर उनकी किसी तरह से सुरक्षा व्यवस्था के कोई प्रबंध नही किये जाने के कारण जहां वह एटीएम असुरक्षा के बीच संचालित होते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर इस समय चल रहे बारिश के सीजन में पशुओं के तबले का रूप धारण करने से नही चूक रहे है। इस तरह बारिश से बचाने के साथ साथ पड़ रही उमश भरी गर्मी के चलते नगर के एटीएमों में सड़को पर आवारा रूप से घुमने वाले पशुओं को एसी की हवा लेते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है। इस तरह दिन भर एटीएमों में पशुओं का डेरा रहने के चलते जहां उपभोक्ता अपनी राशि नही निकाल पा रहे है। वही दूसरी ओर गंदगी का आलम रहने के चलते हुये सरकार के स्वाच्छता अभियान को ग्रहण लगने से भी नही चूक रहा है। यह सच्चाई यहां पर बैक अधिकारियों द्वारा अपनी आंखों से देखे जाने के बाद भी किसी तरह की कार्यवाही नही किये जाने के चलते अधिकारियों की उदासीनता पूर्ण कार्यशैली अपने आप ही उजागर होते हुये देखी जा रही है। क्योंकि दिन दिन भर इन एटीएमों पर पशुओं का डेरा होने के चलते जब कोई उपभोक्ता अपनी राशि निकालने के लिये पहुंचता है तो इस दहसत में रहता है कि कही ऐसा न हो कि कोई पशु उसके ऊपर हमला करते हुये उसकी जिन्दगी को खतरे में डाल देवे।

चिरह कला स्कूल में विधायक पटैल की मौजूदगी में हुआ निःशुल्क साइकिल वितरण

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

शासकीय स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं को शासन द्वारा निः शुल्क साईकिल प्रदान की जाती है। इसी के चलते बीते हुये दिवस जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाले तेंदूखेड़ा विधान सभा क्षेत्र के ग्राम चिरहकला में क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने शासकीय हाई स्कूल चिरहकलां में मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत 78 छात्र एवं छात्राओं को निशुल्क साइकिल वितरित कर उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। वही बताया जाता है कि इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में शिक्षा से बड़ा कोई धन नहीं होता। आप मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं क्षेत्र का नाम रोशन करें। यह साइकिल आपको विद्यालय तक पहुँचने में सुविधा प्रदान करेगी और आपके उज्ज्वल भविष्य की राह को और अधिक सरल बनाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सपने देखिए और उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कीजिए। इस अवसर पर जनपद सदस्य रामगोपाल गुर्जर सहित अध्यापकगण और विद्यार्थी मौजूद थे।

यमदूत बन अनियंत्रित गति से दौड़ रहे सिंग्नल लाईट वाले वाहनों की मनमानी पर अंकुश नहीं..

हरिभूमि न्यूज/ कौड़िया। दुर्घटना से देर भली यह नारा यातायात व्यवस्था सुचारू रखने वाली पुलिस हमेशा दोहराती रहती है, किन्तु विडम्बना की बात है कि उसकी तरफ से सड़कों पर अनियंत्रित गति व तेज लाईट सहित काने यानि की दो लाईट होने पर एक लाईट जलने वाले वाहन चलाने पर रोक नही लगायी जाती है, जिसकी जीती जागती मिसाल इन दिनों क्षेत्र की सड़को पर देखने को मिल रही है, जहां पर वर्तमान में ग्राम की सड़कों पर दो पाहिया, चार पाहिया वाहन ट्रक व ट्रेक्टर यमदूत बनकर फर्राटे से तेज गति में दौड़ते नजर आ रहे है,हालत यह है कि दोपाहिया वाहन चालक, राहगीर काने वाहनो को टू व्हीलर वाहन समझने की भूल कर बैठते है और जब उन्हे सच पता चलता है तो खैरियत से घर पहुँचने की ईश्वर से प्रार्थना करने लगते है, बताया जाता है कि पुलिस के सामने से भी काने वाहनो के गुजरने का सिलसिला चलता रहता है पर पुलिस वाहन चालको पर कार्यवाही करने की जगह हरी झंडी दे देती है,जिसका नतीजा है कि ग्राम में सड़क दुर्घटनाओं का अंदेशा लगातार बढ़ता जा रहा है,यातायात व्यवस्था में बाधक साबित हो रहे फर्राटे से दौड़ते वाहनों के सम्बंध में हरिभूमि टीम से क्षेत्रवासियों ने चर्चा के दौरान बताया गया कि इस समय जिस प्रकार से युवाओं को अपने वाहनों में तेज लाईट वाली एलईडी सहित अन्य प्रकार के लाईट लगावाकर वाहन चलाये जा रहे है वह प्रमुख रूप से दुर्घटना का कारण बनने से नही चूक रहे है, वही देखा जा रहा है कि गांवो की सड़को पर बिना बैक लाईट वाले वाहनो का दौड़ाया जाना खतरनाक है, क्योंकि सकरे मार्गो पर जब अनियंत्रित गाति वाले वाहन चलते है तो लोंगो का दिल दहल जाता है, पुलिस को जनहित में सड़को पर काने वाहनो के दौड़ाने पर पाबंदी लगानी चाहिए, ग्रामीणों के अनुसार रात में सिंगल लाईट वाले चार पाहिया वाहनों का सड़को पर दौड़ना उचित नही है, इन वाहनो से कभी भी सड़क हादसा हो सकता है, इस प्रकार से वाहनो की धमाचौकड़ी पर पुलिस को शीघ्र प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्षेत्र के लोगों के मुताबिक हमारे मकान मुख्य सड़क के किनारे बने हुए है, जहां छोटे बच्चे हमेशा खेलते है,बच्चो की ना समझी और निरंकुश वाहन चालको की जुर्रत से कभी भी दुर्घटना हो सकती है, वही क्षेत्र लोगों का कहना है कि शाम के समय अंधेरा होने से शाम के समय सड़को पर घूमने जाने वाले ग्रामवासी घर लौटते समय चार पाहिया वाहनो की सिंगल लाईट के कारण दोपाहिया वाहन समझ बैठते है और उन्हे बाल बाल बाचते हुए घर लौटने मजबूर होना पड़ता है, लोगों का कहना है कि आर टी ओ एवं पुलिस विभाग को मिलकर काने वाहन चालको के खिलाफ अभियान छेड़ना जरूरी हो गया है अन्यथा कभी भी ग्राम में बड़ी सड़क दुर्घटना घटित होना सम्भावित है, अक्सर देखा जाता है कि वाहन चालको को पुलिस का खौफ नहीं रह गया है,इसी का कारण है कि सड़को पर काने वाहन बेरोकटोक दौड़ रहे है, पुलिस द्वारा यादि यातायात व्यवस्था में सुधार अभी नहीं किया गया तो आशंका है कि आने वाले बारिश के मौसम में अनचाही सड़क दुर्घटनाएँ हो सकती है।

बगैर परमिट दौड़ रहे अनेक कंपनियों में किराये से लगे हुये चार पाहिया वाहन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। आबादी के बढ़ते दबाव के बीच जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है, जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है जिसको लेकर देखा जाता है कि प्रशासन द्वास वाहन चैकिंग के नाम पर कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराये से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है, मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरासर परिवहन नियमों की अवहेलना हो रही है वही एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है, वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व मे भी कमी आ रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप,मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है, इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्यापक अभियान नही छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है, जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है, नगर में स्थित व क्षेत्र में स्थित अनेक कंपनियों में इसी प्रकार अधिकांश शासकीय विभागों मे निजी वाहनों को किराए पर लगाया गया है, जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी सरकारी दप्तर से आवश्यकता होने पर जो वाहन किराए पर लगाए जाएं उनका रजिस्ट्रेशन परिवाहन विभाग मे टैक्सी वाहन के रूप मे होना अनिवार्य है, परिवहन विभाग के पास इन वाहनों पर कार्यवाही किये जाने की जानकारी नही मिली,शासन के आदेश की विभागीय अधिकारी विभाग भी इस दिशा मे उदासीनता प्रदार्शित करते हुये जान पड़ रहे है?

Change of Name

I, Ankit S/O Basant Swami, resi- dent of Singhpur Chhoto Sali Choka Road, Th. Gadrwara, 487551 do hereby declare that I have changed my name from Ankit to Ankit Swami and henceforth I shall be known as Ankit Swami in all purpose, vide affidavit no DD318514 sworn before the Notary Public at Gadrwara on 08/07/2026 Ankit Swami and Ankit both are same and one identical persom.

Deponent
Ankit Swami
S/O Basnt Swami
Residemt- Singhpur Chhoto, Sali Choka Road,
Th.- Gadrwara, Narsingpur (M.P.)

खबर संक्षेप

प्रिंटिंग प्रेस के समीप शराब दुकान के पास फैली गंदगी से रहवासी परेशान

अनूपपुर। जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 5 स्थित प्रिंटिंग प्रेस के समीप शराब दुकान के आसपास फैली गंदगी से स्थानीय रहवासियों में नाराजगी है। क्षेत्र के रहवासियों द्वारा उपलब्ध कराए गए फोटो एवं जानकारी के अनुसार शराब दुकान के आसपास खाली कांच की बोतलें डिस्पोजेबल गिलास प्लास्टिक एवं अन्य कचरा नाली और सड़क किनारे जमा है। इससे नाली का प्रवाह प्रभावित हो रहा है और आसपास अस्वच्छ वातावरण बना हुआ है। रहवासियों का कहना है कि क्षेत्र में नियमित सफाई नहीं होने के कारण समस्या लगातार बढ़ रही है। बरसात के मौसम में नाली जाम रहने से जलभराव दुर्गंध और संक्रामक बीमारियों की आशंका भी बनी रहती है। उनका कहना है कि इस संबंध में कई बार जनप्रतिनिधियों एवं नगर पालिका का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया गया लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका है। स्थानीय रहवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र का शीघ्र निरीक्षण कर नालियों की सफाई कराई जाए नियमित कचरा उठाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं ताकि क्षेत्रवासियों को गंदगी और दुर्गंध से राहत मिल सके।

हसदेव क्षेत्र की कॉलोनियों में बदहाल सफाई व्यवस्था, लाखों के टेंडर के बाद भी गंदगी का अंबार

राजनगर। हसदेव क्षेत्र के राजनगर आर.ओ. अंतर्गत संचालित एसईसीएल की श्रमिक कॉलोनियों में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। लाखों रुपये के सफाई टेंडर होने के बावजूद कॉलोनियों में नियमित सफाई नहीं होने से कामगारों और उनके परिवारों में भारी नाराजगी है। कर्मचारियों का आरोप है कि ठेकेदार मनमाने ढंग से काम कर रहा है, जबकि सिविल विभाग निगरानी और कार्रवाई करने में पूरी तरह सुस्त नजर आ रहा है। राजनगर आरओ की ए-टाइप न्यू राजनगर कॉलोनी, बी-टाइप न्यू राजनगर कॉलोनी, कमलनगर, सुभाषनगर, प्रेमनगर, वर्कशॉप के सामने स्थित कॉलोनी तथा वार्ड क्रमांक-11 स्थित बच्चों के पार्क सहित कई श्रमिक बस्तियों में नियमित सफाई नहीं होने से जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। अधिकांश नालियां जाम हैं, जिससे बरसात का पानी सड़कों और गलियों में बह रहा है। खुले में पड़ा कचरा बारिश के साथ फैलकर संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले शांतिनगर कॉलोनी के युवाओं ने उपक्षेत्रीय प्रबंधक राजनगर आरओ राजेश कुमार राय को ज्ञापन सौंपकर सफाई व्यवस्था की शिकायत की थी। शिकायत के बाद उपक्षेत्रीय प्रबंधक के निर्देश पर सिविल विभाग हरकत में आया और शांतिनगर में सफाई अभियान शुरू कराया गया। इससे यह सवाल खड़ा हो गया है। कि क्या हर कॉलोनी के कर्मचारियों को अपनी मूलभूत सुविधाओं के लिए अलग-अलग ज्ञापन देना पड़ेगा, तभी व्यवस्था सुधरेगी? कामगारों का कहना है कि यदि सिविल विभाग नियमित रूप से निगरानी करे और ठेकेदार से तय शर्तों के अनुसार कार्य कराए तो कॉलोनियों की यह स्थिति नहीं बने।

नगर परिषद के सफाई मित्रों से बची हुई है व्यवस्था- नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के स्वच्छता मित्र समय-समय पर सफाई कर स्थिति को कुछ हद तक संभाल लेते हैं। यदि उनका सहयोग भी न मिले तो कॉलोनियों और मुख्य सड़कों पर सुबह-शाम गोबर और कचरे के ढेर आम दृश्य बन जाएं। श्रमिक कॉलोनियों की पानी की टंकियों की लंबे समय से सफाई नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है। शांतिनगर की पानी टंकी, घरों की छतों पर लगी टंकियां, न्यू राजनगर फिल्टर प्लांट की ओवरहेड टंकी और वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की टंकियों की नियमित सफाई नहीं होने से उनमें काई जम गई है। नलों के माध्यम से घरों तक पहुंचने वाले पानी में काई आने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं, जिससे विशेष रूप से महिलाओं में नाराजगी बढ़ रही है। कामगारों ने मांग की है ।

चौपाल लगाकर सुनीं समस्याएं- अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के दिए निर्देश

कमिश्नर सुरभि गुप्ता और कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने किया चुनपथरी स्कूल का निरीक्षण

डिंडोरी। शहडोल संभाग की कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता एवं कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने बुधवार को ग्राम पंचायत मोहतरा के पोषक ग्राम चुनपथरी स्थित एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। स्कूल पहुंचने पर ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से प्रशासनिक अधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर और कलेक्टर ने कक्षा 1 से 8वीं तक के छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया और उनकी शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने खुद बच्चों को पढ़ाकर उनका उत्साहवर्धन भी किया।कमिश्नर ने स्कूल की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए शिक्षकों को सख्त निर्देश दिए कि शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए और विद्यार्थियों की नियमित शैक्षणिक प्रगति पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने विद्यालय परिसर में आम और अमरूद के फलदार पौधों का रोपण किया।

चौपाल में सुनीं समस्याएं, बांटे मिट्टी परीक्षण प्रमाण पत्र

स्कूल निरीक्षण के बाद सामुदायिक भवन में ग्रामीणों की उपस्थिति में एक चौपाल का आयोजन किया गया, जहां प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं। चौपाल के दौरान कृषि एवं पशुपालन विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की गई और क्षेत्र में कार्यरत गौ सेवक, कृषि मित्र एवं पशु सखी के कार्यों का फीडबैक लिया गया। विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर कमिश्नर श्रीमती गुप्ता ने किसानों को मिट्टी परीक्षण प्रमाण पत्र (सॉइल हेल्थ कार्ड) भी वितरित किए।

आधुनिक पशुपालन से बढ़ेगी ग्रामीणों की आय

चौपाल को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने ग्रामीणों से अपने पशुओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान कृत्रिम गर्भाधान योजना का लाभ लेकर अच्छी नस्ल के पशु तैयार करें। आधुनिक पशुपालन अपनाकर दुग्ध उत्पादन बढ़ाया जा सकता है, जिससे पशुपालन एक लाभकारी व्यवसाय बनेगा और ग्रामीणों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने उपस्थित सभी विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि ग्रामीण अंचलों में निवासरत अंतिम छोर के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ अनिवार्य रूप से पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभान्वित किया जाए।इस निरीक्षण और चौपाल के दौरान जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ पंकज जैन, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम बाजाग अक्षय डिगरसे, सहायक आयुक्त राजेंद्र कुमार जाटव, कृषि उपसंचालक संजय दोषी सहित कृषि, पशुपालन एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

डिण्डोरी में जिला स्तरीय तेजस कार्यशाला आयोजित, युवाओं को दिए स्टार्टअप और उद्यमिता के गुण

डिण्डोरी।कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, डिण्डोरी द्वारा डीपीआईआईटी और एमपी स्टार्टअप सेंटर के सहयोग से बुधवार को नेचर्स कोर्टयार्ड रिसॉर्ट में जिला स्तरीय तेजस कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले के युवाओं, विद्यार्थियों और नव-उद्यमियों को स्टार्टअप, नवाचार और विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर आत्मनिर्भर बनाना था।कार्यक्रम में शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, डिण्डोरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम, अपर कलेक्टर जे.पी. यादव सहित व्यापारिक संगठनों के प्रमुख और जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरुआत महाप्रबंधक श्रीमती राधिका कसारो ने इसकी रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी देकर की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और नए अवसर पैदा करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इन सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं और जिले में अपने नए उद्योग स्थापित करें।कार्यशाला के दौरान एमपी स्टार्टअप सेंटर के विशेषज्ञों ने स्टार्टअप इंडिया, उद्यम पंजीयन और इन्क्यूबेशन की बारीकियों को समझाया। वहीं, एमएसएमई-डीआई जबलपुर के प्रतिनिधि ने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (**ODOP**) योजना के तहत स्थानीय उत्पादों के मूल्य संवर्धन और उनके बेहतर विपणन के तरीकों पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही युवाओं को व्यवसाय स्थापना, वित्तीय सहायता, डिजिटल मार्केटिंग और सफल उद्यम संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए। कार्यक्रम के अंत में विशेषज्ञों ने युवाओं के सवालों और शंकाओं का समाधान करते हुए उन्हें उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

आंगनबाड़ी केंद्र के सामने जलभराव नौनिहालों की राह हुई मुश्किल

शहपुरा। नगर के वार्ड क्रमांक 1 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के सामने सड़क पर जलभराव और कीचड़ की समस्या से नौनिहाल बच्चों एवं उनके अभिभावकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क पर पानी भर जाने से बच्चों का केंद्र तक पहुंचना मुश्किल हो गया है।आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि पिछली बारिश के दौरान केंद्र के सामने करीब दो फीट तक पानी भर गया था। सड़क की मरम्मत नहीं होने और जलनिकासी की समुचित व्यवस्था के अभाव में हर बारिश के बाद यही स्थिति बन जाती है। इससे बच्चों की नियमित उपस्थिति भी प्रभावित हो रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटे बच्चों को कीचड़ और पानी से होकर आंगनबाड़ी केंद्र तक ले जाना जोखिमभरा है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र सड़क

की मरम्मत कराने और स्थायी जलनिकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि बच्चों को सुरक्षित और सुगम मार्ग मिल सके।वार्डवासियों का कहना है कि नौनिहालों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अब लोगों की निगाहें संबंधित विभाग पर टिकी हैं कि वह इस समस्या का समाधान कब तक करता है।

सेफ क्लिक अभियान 2.0 के तहत शहपुरा पुलिस ने विद्यार्थियों को किया साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक

शहपुरा। मध्य प्रदेश पुलिस के सेफ क्लिक अभियान 2.0 के तहत जिलेभर में साइबर सुरक्षा को लेकर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को शहपुरा पुलिस ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मानिकपुर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों को बढ़ते साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी के नए तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, फर्जी कॉल, फिशिंग लिंक, सोशल मीडिया धोखाधड़ी और डिजिटल भुगतान के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

अभियान के तहत विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, बैंकों के कर्मचारियों एवं ग्राहकों, महिलाओं तथा वरिष्ठ नागरिकों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। लोगों से अपील की गई कि वे किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा ओटीपी, बैंक खाता विवरण, एटीएम कार्ड, सीवीवी और यूपीआई पिन जैसी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें।पुलिस ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है तो वह तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराए या निकटतम पुलिस थाने में संपर्क करे, ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।शहपुरा पुलिस के अनुसार सेफ क्लिक अभियान 2.0 का उद्देश्य आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाकर साइबर अपराधों की रोकथाम करना और सुरक्षित डिजिटल वातावरण को बढ़ावा देना है।

मेहंदवानी जनपद की कुछ पंचायतों में अनियमितताओं की शिकायत, ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग उठाई

डिंडौरी। जनपद पंचायत मेहंदवानी अंतर्गत कुछ ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों और वित्तीय लेन-देन को लेकर ग्रामीणों ने अनियमितताओं की शिकायत करते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि कुछ पंचायतों में फर्जी बिल, मास्टर रोल में कथित हेराफेरी तथा नियमों के विपरीत भुगतान किए जाने की आशंका है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र की कुछ पंचायतों में विकास कार्यों से संबंधित भुगतान और अभिलेखों को लेकर समय-समय पर शिकायतें सामने आती रही हैं। उनका दावा है कि कुछ मामलों में एक ही सामग्री आपूर्तिकर्ता के नाम से बिल लगाए जाने तथा

मास्टर रोल में दर्ज कुछ नामों को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का यह भी आरोप है कि कुछ व्यक्तियों के नाम पर अलग-अलग पंचायतों से भुगतान किए जाने की शिकायत संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई गई है।ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत डोकरघाट, डुलहरी, फुलवाही, सारसडोली सहित अन्य पंचायतों के अभिलेखों की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि बिल, मास्टर रोल, भुगतान अभिलेख और निर्माण कार्यों का तकनीकी परीक्षण कराया जाए तो स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।शिकायतकर्ताओं ने कलेक्टर डिंडौरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जांच में यदि किसी प्रकार की अनियमितता या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

सर्वजीत सिंह ठाकुर की गिरफ्तारी के विरोध में लोधी महासभा ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

डिंडोरी। अखिल भारतीय लोधी-लोधा-लोध महासभा, जिला डिंडोरी ने सागर जिला पंचायत सदस्य एवं महासभा के युवा प्रदेश अध्यक्ष सर्वजीत सिंह ठाकुर की गिरफ्तारी के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सौंपा गया।महासभा का आरोप है कि लगभग दो वर्ष पुराने प्रकरण में सर्वजीत सिंह ठाकुर के विरुद्ध दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई करते हुए सागर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया और दो वर्षों से फरार बताया। संगठन का कहना है कि सर्वजीत सिंह ठाकुर गत 28 अप्रैल को आयोजित राजा हृदय शाह लोधी शौर्य यात्रा के प्रचार-प्रसार के लिए प्रदेश के लगभग 36 जिलों का भ्रमण कर चुके हैं तथा शौर्य यात्रा में भी सक्रिय रूप से शामिल रहे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ मंच भी साझा किया, जहां विभिन्न जिलों की पुलिस की मौजूदगी थी। ऐसे में उन्हें फरार बताकर की गई गिरफ्तारी पर महासभा ने सवाल उठाए हैं।

गिरफ्तारी के विरोध में लोधी समाज के प्रतिनिधियों ने महेंद्र

ठाकुर (जिला अध्यक्ष, अखिल भारतीय लोधी-लोधा-लोध महासभा, जिला डिंडोरी) के नेतृत्व में विरोध दर्ज कराया। इस दौरान गुलाब सिंह ठाकुर (पूर्व जिला अध्यक्ष), आलोक संघ, आशीष ठाकुर (ब्लॉक अध्यक्ष, अमरपुर), शिवांक ठाकुर (उपसरपंच, नादां), प्रशांत ठाकुर, रामराज ठाकुर सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।ज्ञापन के माध्यम से महासभा ने मुख्यमंत्री से मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए सर्वजीत सिंह ठाकुर की शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

दो-दो याचिकाएं खारिज, फिर बेनकाब हुई सियासत

जय प्रकाश की कानूनी जंग पर लगा विराम

जिले की नगर परिषद जैतहरी की राजनीति में लंबे समय से चल रहे विवाद को उस समय नया मोड़ मिला, जब अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता के विरुद्ध दायर की गई जयप्रकाश अग्रवाल की दोनों याचिकाएं न्यायालय में खारिज हो गईं है। फैसले के बाद नगर में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। समर्थक इसे विकास कार्यों पर जनता की मुहर बता रहे हैं, जबकि विपक्ष के एक वर्ग का मानना है कि लगातार कानूनी लड़ाइयों से विकास का माहौल प्रभावित हुआ है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। नगर परिषद जैतहरी में अध्यक्ष पद को लेकर लंबे समय से जारी राजनीतिक खींचतान आखिरकार न्यायालय के फैसले के बाद नए मोड़ पर पहुंच गई है। अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता के खिलाफ जयप्रकाश अग्रवाल द्वारा दायर दोनों

याचिकाएं खारिज होने के बाद स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। आरोप है कि अध्यक्ष पद पर लोकतांत्रिक मुकाबले में पराजय के बाद कानूनी रास्ते से राजनीतिक बढ़त हासिल करने की कोशिश की गई, लेकिन अदालत से अपेक्षित राहत नहीं मिल सकी। फैसले के बाद नगर में यह चर्चा भी तेज है कि लगातार विवादों और आरोप-प्रत्यारोपों ने विकास की गति को प्रभावित किया। दूसरी ओर अध्यक्ष समर्थकों का कहना है कि न्यायालय के निर्णय ने बेबुनियाद आरोपों की राजनीति पर विराम लगा दिया है और अब नगर के विकास कार्यों को बिना किसी व्यवधान के आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा।

चुनावी हार के बाद अदालत का सहारा, लेकिन नहीं मिली सफलता

नगर परिषद अध्यक्ष पद के चुनाव में पराजय के बाद जयप्रकाश अग्रवाल ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने अध्यक्ष के निर्वाचन और पद को लेकर आपत्तियां दर्ज कराते हुए याचिकाएं दायर कीं। हालांकि न्यायालय ने दोनों मामलों में राहत देने से इनकार कर दिया। फैसले के बाद राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि चुनावी हार की भरपाई अदालत के माध्यम से करने की रणनीति सफल नहीं हो सकी।

आरोपों की राजनीति पर उठे सवाल

स्थानीय नागरिकों के बीच यह चर्चा है कि लगातार आरोप और कानूनी विवादों के कारण नगर परिषद का माहौल लंबे समय तक राजनीतिक तनाव से घिरा रहा। आलोचकों का कहना है कि यदि यही ऊर्जा विकास कार्यों और जनहित के मुद्दों पर लगाई जाती तो नगर को अधिक लाभ मिलता। हालांकि इन आरोपों पर जयप्रकाश अग्रवाल की ओर से सार्वजनिक रूप से अलग पक्ष भी सामने आ सकता है।

न्यायालय के फैसले से समर्थकों में उत्साह

याचिकाएं खारिज होने के बाद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता के समर्थकों ने इसे न्याय की जीत बताते हुए खुशी जाहिर की। उनका कहना है कि अदालत के फैसले ने राजनीतिक अस्थिरता समाप्त कर दी है और अब नगर परिषद पूरी ऊर्जा के साथ विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकेगी। समर्थकों का दावा है कि जनता ने पहले चुनाव में और अब अप्रत्यक्ष रूप से न्यायिक प्रक्रिया के बाद भी विकास की राजनीति पर भरोसा जताया है।

अब जनता की नजर विकास और जवाबदेही पर

राजनीतिक विवादों के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि नगर परिषद आने वाले समय में विकास कार्यों को किस गति से आगे बढ़ाती है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि चुनाव और न्यायालयी प्रक्रिया अब समाप्त हो चुकी है, इसलिए सभी जनप्रतिनिधियों को व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप छोड़कर नगरहित में कार्य करना चाहिए। जनता की अपेक्षा है कि राजनीतिक टकराव की जगह विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता दी जाए।

600 किलो गांजा तस्करी मामले में आरोपी की जमानत खारिज

अनूपपुर। लगभग 600 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा के परिवहन से जुड़े बहुचर्चित मामले में न्यायालय ने आरोपी को राहत देने से इनकार कर दिया है। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नरेन्द्र पटेल ने आरोपी धनंजय सिंह पटेल की जमानत याचिका निरस्त कर दी। न्यायालय ने मामले की गंभीरता, जब्त मादक पदार्थ की अत्यधिक मात्रा तथा अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए यह आदेश पारित किया। जिला लोक अभियोजक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 25 दिसंबर 2025 को एसटीएफ भोपाल की जबलपुर इकाई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक पुराना 12 पहिया टाटा ट्रक बिलासपुर से शहडोल की ओर जैतहरी मार्ग से आ रहा है, जिसमें भारी मात्रा में अवैध गांजा छिपाकर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर ट्रक को रोका। तलाशी के दौरान ट्रक में चालक धनंजय सिंह पटेल तथा उसके साथ बैठे अंकित विश्वकर्मा मौजूद मिले। प्रारंभिक जांच में ट्रक सामान्य दिखाई दिया, लेकिन गहन तलाशी लेने पर चालक केबिन के पीछे लगभग तीन फीट की विशेष रूप से तैयार की गई गुप्त जगह मिली, जिसे लोहे की प्लेट लगाकर इस प्रकार पैक किया गया था कि सामान्य व्यक्ति उसके भीतर कुछ होने का अनुमान भी नहीं लगा सकता था। जब उस गुप्त हिस्से को खोला गया तो उसमें से 94 पैकेट अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। जब्त गांजे का कुल वजन 599.795 किलोग्राम पाया गया। इतनी बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ की बरामदगी के बाद दोनों आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध एसटीएफ भोपाल में अपराध क्रमांक 16/2025 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 में प्रकरण दर्ज किया गया। मामले में आरोपी धनंजय सिंह पटेल ने प्रथम अपर सत्र न्यायालय में जमानत आवेदन प्रस्तुत किया था।

लि अस्पताल से परिजनों के साथ सकुशल घर लौटी युवती

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मानवता और सामाजिक संवेदनशीलता का एक प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। मानसिक रूप से अस्वस्थ होकर भटकते-भटकते अनूपपुर पहुंची एक 20 वर्षीय युवती को सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल के प्रयासों से उसके परिवार से मिलाया गया। कई दिनों की खोजबीन, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत संपर्कों के बाद युवती की पहचान हो सकी, जिसके बाद परिजन जिला चिकित्सालय अनूपपुर पहुंचे और उसे अपने साथ सकुशल घर ले गए। जानकारी के अनुसार, चार-पांच दिन पूर्व देर रात आम नागरिकों की सूचना पर 108 एंबुलेंस के माध्यम से एक अज्ञात युवती को जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाया गया था। युवती मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के साथ ही शारीरिक रूप से भी बेहद कमजोर थी। वह अपनी पहचान या घर का पता बताने की स्थिति में नहीं थी। जिला चिकित्सालय में उसका उपचार शुरू किया गया। इस बीच पुलिस सहायता केंद्र अनूपपुर के प्रधान आरक्षक कमलेश प्रसाद, आरक्षक आशीष तिवारी तथा जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों एवं स्टाफ ने सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल से युवती की पहचान कराने में सहयोग का आग्रह किया। इसके बाद श्री अग्रवाल ने युवती की जानकारी विभिन्न व्हाट्सएप समूहों, सामाजिक संगठनों और व्यक्तिगत संपर्कों के माध्यम से साझा कर उसकी पहचान कराने का अभियान शुरू किया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, गुरुवार 9 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

पूर्व सैनिकों व परिजनों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

नरसिंहपुर। पूर्व सैनिकों, विधवाओं और उनके आश्रितों को सुलभ चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए मोबाइल ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय नरसिंहपुर में बुधवार को किया गया। शिविर में डॉ. शिवम खेत्रपाल एवं मेडिकल टीम द्वारा पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में उपस्थित लाभार्थियों को आवश्यक दवाओं का वितरण एवं ईसीएचएस कार्ड संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। कर्नल अनिल भार्गव (से.नि.) जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि हमारा प्रयास है कि हमारे वीर पूर्व सैनिकों, विधवाओं और उनके आश्रितों को चिकित्सा सेवाओं के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े। मोबाइल ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक की पहल से उन वृद्ध और बीमार लाभार्थियों को विशेष लाभ मिला है, जो मुख्य पॉलीक्लिनिक जबलपुर तक जाने में असमर्थ हैं। इस शिविर में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों ने भाग लिया और इस पहल की सराहना की। भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता सुनिश्चित की जा सके।

अंकसूचियों का वितरण आज से

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा 2026 की मूल अंकसूचियाँ जिला समन्वय संस्था शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में प्राप्त हो चुकी हैं। अंकसूचियों का वितरण 9 जुलाई से 11 जुलाई 2026 तक दोपहर 1 बजे से 3 बजे के मध्य किया जायेगा। अंकसूचियाँ प्राप्त करने के लिए समस्त शासकीय, अशासकीय हाई हायर सेकेण्डरी विद्यालय जिला नरसिंहपुर संस्था की पदमुद्रा, संस्था प्राचार्य (स्वयं) पत्र सहित अथवा प्रतिनिधि का नाम (प्रमाणित हस्ताक्षरित पत्र सहित अनिवार्यतः) उपस्थित होकर अंकसूचियाँ प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने जिला पोषण समिति की समीक्षा, दिए निर्देश

नरसिंहपुर। बुधवार को कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता मे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पोषण समिति की विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की परियोजनावार प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कुपोषण मुक्त जिले के लक्ष्य को प्राथमिकता के साथ हासिल करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पोषण ट्रैकर एवं एमआईएस डेटा की विस्तृत समीक्षा करते हुए गंभीर कुपोषित बच्चों की स्थिति, भूख जांच, एमोक्सिसिलिन दवा की उपलब्धता, एनआरसी से डिस्चार्ज बच्चों की प्रगति तथा अति गंभीर श्रेणी से सामान्य श्रेणी में आए बच्चों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिन्हित बच्चों को निर्धारित मात्रा में दवा उपलब्ध कराई जाए तथा प्रत्येक माह उनका स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक पैरामीटर का नियमित रिकॉर्ड रखा जाए। बैठक में अपार एवं आभा आईडी निर्माण, 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के पंजीयन, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना तथा सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

सीएमएचओ ने किया स्वास्थ्य केंद्र धमना का निरीक्षण

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धमना का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सीएमएचओ डॉ. मिश्रा ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि सभी गर्भवती महिलाओं की निर्धारित समय पर चार एएनसी जांच सुनिश्चित की जाए।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान का हुआ समापन मानव श्रृंखला बनाकर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा चालाए गए प्रदेशव्यापी सेफ क्लिक-2.0 अभियान के सफल समापन अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा की विशेष मौजूदगी में एमआईएमटी कॉलेज नरसिंहपुर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 500 एनसीसी कैडेट्स एवं छात्र-छात्राओं की सहभागिता की। कार्यक्रम में जिले के एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों ने भी सहभागिता करते हुए विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने विद्यार्थियों को वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों के नए-नए तरीकों जैसे डिजिटल अरेस्ट, फिशिंग लिंक, फर्जी एसएमएस एवं ई-मेल, यूपीआई एवं ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, फर्जी केवायसी अपडेट और ऑनलाइन जॉब फ्रॉड आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही इनसे बचाव के प्रभावी उपाय भी बताए गए।

वहारिक प्रश्नों का किया समाधान

कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में छात्र-छात्राओं ने साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना ने सभी प्रश्नों के उत्तर सरल, सहज एवं व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से देकर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें या पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति को अपनी मोबाइल का पिन या पास वर्ड ना दें और ना ही सायबर फ्राड की लिंक या एपीके फाइल, लिंक आदि पर क्लिक करें स्वयं भी जागरूक होकर सुरक्षित रहे तथा अपनों को भी सुरक्षित रखें। वर्तमान में साइबर सुरक्षा सबसे बड़ी जिम्मेदारी के रूप मे उभर का सामने आ रही है।

मानव श्रृंखला बनाकर दिया संदेश

कार्यक्रम के समापन पर एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों ने सेफ क्लिक-2.0 अभियान के समर्थन में मानव श्रृंखला बनाकर साइबर सुरक्षा का प्रभावी संदेश दिया। इस दौरान आमजन से अपील की गई कि वे साइबर ठगी से सतर्क रहें, डिजिटल लेनदेन में सावधानी बरतें और किसी भी प्रकार के साइबर अपराध का शिकार होने पर तत्काल रिपोर्ट करें। उल्लेखनीय है कि दिनांक 24 जून से 08 जुलाई 2026 तक संचालित सेफ क्लिक - 2.0 अभियान के अंतर्गत नरसिंहपुर पुलिस द्वारा जिलेभर में व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं, जिनके माध्यम से आम नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग किया गया। कार्यक्रम के दौरान आरक्षक कुमुद पाठक द्वारा साइबर सुरक्षा से होने वाले नुकसान तथा बचाव को लेकर विस्तार से जानकारी देते हुए जागरूक किया गया।

प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

विद्यार्थियों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए मजबूत पासवर्ड के उपयोग, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन अपनाने तथा ओटीपी, सीव्हीव्ही और यूपीआईपी पिन जैसी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करने की सख्त हिदायत दी गई। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने पर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में एनीसीसी कैडेट्स तथा एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ पराग नेमा एवं ले. जितेन्द्र कुमार और सामाजिक कार्यकर्ता मनीष इंदोलिया, विकास बैरागी सहित अन्य को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में इंजी. रूद्रेश तिवारी चैयरमेन, डॉ अशोक कुमार गर्ग प्राचार्य, एड. रचित तिवारी डायरेक्टर एमआईएमटी लॉ कालेज नरसिंहपुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, डीएसपी उमेश तिवारी, एसडीओपी मनोज गुप्ता सहित कोतवाली थाना प्रभारी एवं स्टेशनगंज थाना प्रभारी व पुलिस वल मौजूद रहा।

टीन शेड का हुआ लोकार्पण

शिक्षा व बेहतर सुविधाएं उज्ज्वल भविष्य का आधारः श्री पटेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। करेली स्थित पीएम श्री कन्या विद्यालय में बुधवार को शिक्षा एवं आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर आयोजित समारोह में विधायक निधि से निर्मित 22 लाख रुपये की लागत के टीन शेड का लोकार्पण पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने किया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष सुशीला मामार, उपाध्यक्ष अनीता नेमा जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, विद्यालय का स्टाफ, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर शासन की छात्र हितैषी योजनाओं के तहत पात्र छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया गया। साथ ही शिक्षा, खेलकूद, सांस्कृतिक एवं अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अनुशासन, परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया इस अवसर पर संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि पिछले चार वर्षों से बोर्ड परीक्षाओं में नरसिंहपुर जिला पूरे मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर रहा है। यह उपलब्धि जिले के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की मेहनत, समर्पण और बेहतर शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालयों में बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है और इसी उद्देश्य से विकास कार्य निरंतर किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बीच आकर उनसे संवाद करना और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा बनना सदैव प्रेरणादायक अनुभव होता है। शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है तथा हर बच्चे को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलना चाहिए।कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने विद्यालय परिसर में निर्मित टीन शेड का अवलोकन किया तथा छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि विद्यालय परिवार से प्राचार्य श्रद्धा श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विकास कार्य के लिए आभार व्यक्त किया मंच का संचालन शिक्षक आशीष दुबे ने किया इस अवसर पर समाजसेवी सत्यप्रकाश साहनी हरिदास नेमा महेश चैरसिया सुरेश नेमा सुरेन्द्र मोहन नेमा सी आर कौरव संतोष तेहिया संदीप ममार वीणा ओसवाल जितेंद्र स्वामी पार्षद संगीता शर्मा राजकुमारी सोनी प्रीति रघुवंशी कृपाल सिंह सोहल आनंद सोनी अनिल दुबे भारत भसीन नीरज लूनावत खलीक कुरैशी सुनील सोनी हेमंत मेहरा राकेश बड़कुर गणेश पटेल दीपक शर्मा अभिषेक रघुवंशी प्रखर दुबे लोकेश बाथरे अनिल विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जन स्कूल शिक्षक छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

राजमार्ग पर नहीं है सुलभ काम्प्लेक्स सुविधा

तेंदूखेड़ा एक तरफ जहां सड़क मार्गों को बेहतर बनाने की दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। एक्सप्रेस हाइवे भी सुलभ यात्रा और जन सुविधाओं को लेकर बनाये जा रहें हैं।साथ ही संपूर्ण भारत वर्ष में स्वच्छता अभियान के तहत जहां तहां सुलभ काम्प्लेक्स सुविधा घरों की व्यवस्थायें मुहैया कराई जा रही है। वहीं दूसरी तरफ भारत वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 44 झांसी नागपुर और राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर जयपुर को जोड़ने वाले सड़क मार्ग राजमार्ग चौराहे पर सुलभ काम्प्लेक्स की सुविधा ना होने के कारण यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के समय निर्धारित मापदंडों के आधार पर भूमी तो अधिकृत कर ली गई है लेकिन जन सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा है। जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है।इस राजमार्ग चौराहे पर प्रतिदिन हजारों वाहन निकलते हैं। और सागर नरसिंहपुर जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग से आने वाली विभिन्न यात्री वाहनों के यात्रियों को बस स्टैंड पर बसों के रुकने पर लघु संका हेतु यहां वहां भटकना पड़ता है।दिन के समय चौराहा पर दुकानें खुल जाने वाहनों की आवाजाही के बीच लघु संका नहीं कर पाते हैं। यहां पर एक सर्व सुविधायुक्त सुलभ काम्प्लेक्स की नितांत आवश्यकता है।

माल वाहक वाहन संघ ने सौंपा ज्ञापन नो एंट्री आदेश का जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस जिले के मालक वाहक वाहन संघ द्वारा ज्ञापन सौंप कर प्रशान के समक्ष अपनी पीड़ा सुनाई। सौंपे गए ज्ञापन मे बताया गया है। बीते दिनों कलेक्टर द्वारा आदेश जारी कर नगरीय क्षेत्र मे भारी वाहनों के प्रवेश की समय सारणी में परिवर्तन किया गया है। कलेक्टर द्वारा नो एंटी आदेश के चलते माल वाहकों को एवं रेत और गिट्टी और अन्य बस्तुओ के कारोबार में आई भारी मंदी रेत और गिट्टी के मूल्य में भारी उछाल आ सकता हैं। स्टेट हाईवे क्रमांक 22 (गाडरवारा से पिपरिया - हाईवे क्रमांक 44 (गाडरवारा से उदयपुरा मार्ग) पर भारी वाहनों के आवागमन हेतु प्रातः 7 से 9 बजे तक नो एंट्री लागू की गई है, हम समस्त रेत, गिट्टी, एम. सेण्ड, मुरम, कोपरा णि सामग्री के वैध परिवहनकर्ता डंपर / ट्रक संचालक एवं वाहन मालिक जिला नरसिंहपुर, दमोह, रायसेन, भोपाल, विदिशा, अशोकनगर, जबलपुर की ओर से आपके समक्ष यह सामूहिक निवेदन कर रहे हैं। सर्वप्रथम हम आपके द्वारा जनसुरक्षा, सड़क सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं यातायात व्यवस्था रखने के उद्देश्य से जारी आदेश का पूर्ण सम्मान एवं समर्थन करते हैं। प्रशासन द्वारा पीडिंग तथा बिना तिरपाल के खनिज परिवहन पर नियंत्रण हेतु उठाए गए। नगर में नो एंट्री का समय बढ़ने से माल की पूर्ति तथा निर्माण कार्यों में भी देरी हो सकती है साथ दैनिक जीवन पर भी इसका असर पड़ सकता है। माल वाहकों को सुरक्षा व्यवस्था तथा सुविधानुसार माल परिवहन की अनुमति देकर समय सीमा को कम करने की मांग की गई। लगातार 14 घंटे भारी वाहनों के आवागमन पर लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध के कारण गिट्टी नरसिंहपुर जिले में गाडरवारा करेली पिपरिया सालीचैका सहित अनेज जगह सागर क्षेत्र से आती है क्योंकि सस्ती और मजबूत होती है जिसके कारण उसका उपयोग सर्वाधिक जिले मै होता हैं, वहीं अन्य सामान भी इन क्षेत्रों में सागर जिले से ज्यादातर मात्रा में आता हैं, क्योंकि दिल्ली के समान की खासकर इलेक्ट्रॉनिक आइटम की मुख्य मंडी है। अगर 14 घंटे नो एंट्री रहती है, वाहन के भाड़े वृद्धि होना लाजमी है क्योंकि जब एक दिन की जगह 2 दिन में समान खाली होगा। तो क्योंकि रात में ना खाली करने बाली लेवर उपलब्ध होती है, जिसके कारण व्यापार में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हैं, इसी कारण व्यापारी और वाहन मालिक दोनों नोएंट्री के कारण परेशानी का सामना कर रहे हैं, गिट्टी वाले ट्रैकों की रॉयल्टी की कंडीशन अलग से है, जिसके कारण वाहन मालिकों पर अब रोजी-रोटी का खतरा मंडरा रहा है। प्रशासन से मांग की गई है कि उचित कार्रवाई की जावे।

साइबर सुरक्षा को लेकर हमारे संवाददाता ने एसडीओपी से की खास चर्चा

OTP किसी को मत बताना, ठगी हो जाए तो 1930 तुरंत डायल करना"

गोटेगांव। डिजिटल युग में साइबर ठगी के बढ़ते मामलों को देखते हुए पुलिस प्रशासन अब जनता को जागरूक करने में जुटा है। नरसिंहपुर जिला के गोटेगांव एसडीओपी कार्यालय में हमारे संवाददाता ने एसडीओपी श्री मनीष त्रिपाठी से साइबर सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की।एसडीओपी ने बताया कि साइबर ठग आजकल फर्जी कॉल, लिंक, लॉटरी, फ्री गिफ्ट और OTP के जरिए लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। एक छोटी सी लापरवाही से मेहनत की कमाई पल भर में खाली हो जाती है।*एसडीओपी मनीष त्रिपाठी का सीधा संदेशः*1. OTP और बैंक डिटेल शेयर न करें - बैंक या पुलिस कभी फोन पर OTP, CVV नहीं मांगती।2. अंजान लिंक पर क्लिक न करें - व्हाट्सएप, SMS पर आए लिंक से पहले 2 बार सोचें।3. लालच में न आएं - फ्री गिफ्ट, लॉटरी, इनाम के नाम पर होने वाली ठगी से बचें।4. जानकारी गुप्त रखें - सोशल मीडिया पर बैंकिंग और पर्सनल डिटेल शेयर न करें।ठगी होने पर तुरंत करें ये कामः एसडीओपी ने कहा कि अगर किसी के साथ साइबर ठगी हो जाए तो घबराएं नहीं। तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या cyber-crime.gov. in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएं। समय पर शिकायत करने से पैसा वापस आने के चांस बढ़ जाते हैं। साथ ही नजदीकी थाने में भी सूचना दें।उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा स्कूल, कॉलेज और गांवों में जाकर लगातार साइबर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अंत में एसडीओपी ने कहा, ₹एक छोटी सी सावधानी आपको बड़ी ठगी से बचा सकती है। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

बौछार मंडी कीचड़ और गंदगी में बदहाल, ग्रामीणों ने पक्के मार्ग की मांग की

कीचड़ में मंडी, खुली नाली में गिरी गाय

गोटेगांव।

बरसात शुरू होते ही ग्राम पंचायत बौछार स्थित मंडी कार्यालय और साप्ताहिक सब्जी बाजार तक पहुंचने वाला मार्ग कीचड़ और जलभराव से बदहाल हो गया है। बाजार आने वाले किसानों, व्यापारियों और ग्रामीणों को रोजाना दलदल से होकर गुजरना पड़ रहा है। फिसलन और गंदगी के कारण दुर्घटना व बीमारी का खतरा भी बना हुआ है।ग्रामीणों का कहना है कि मंडी परिसर का बड़ा हिस्सा अब भी कच्चा है, जहां खरपतवार, कीचड़ और बदबू से हालात खराब हैं। दुकानदारों के अनुसार बरसात के दिनों में ग्राहक कम पहुंचते हैं, जिससे कारोबार प्रभावित हो रहा है।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधियों के आवास पास में होने के बावजूद समस्या लंबे समय से बनी हुई है। उन्होंने ग्राम पंचायत से मंडी तक सीमेंट-कंक्रीट का पक्का मार्ग बनाने और मंडी परिसर की नियमित साफ-सफाई कराने की मांग की है।

उबालकर, छानकर या आरो का पानी पियें

हाल ही में लगातार वारिस के चलते बरसात का पानी जहां तहां भर गया है।यही बरसात का पानी जलस्त्रोतों में पहुंचता है।जिसे हम हम हेंडपंपो के माध्यम से पीने के उपयोग में लेते हैं। शुरुआत का यह दूषित पानी हमारे लिए पीड़ा दायक हो जाता है।

तेंदूखेड़ा

बहुत सी बीमारियां केवल पानी से ही उत्पन्न होती है। इसलिए हमें पानी को उबालकर छानकर या आरो का पानी उपयोग में लेना चाहिए। बरसात के दिनों में अक्सर कर पेट दर्द आंव पेचिस उल्टी-दस्त के मरीज अधिकांशतः अस्पतालों में देखने को मिला करतें हैं। छोटी-छोटी सी बातों को ध्यान में रखकर यदि सुधार हो जाता है तो हम विभिन्न प्रकार की व्याधियों से बच सकते हैं।इन सभी विषयों को लेकर ब्लाक मेडीकल आफीसर डा राजकिशोर पटेल ने हमारे प्रतिनिधि को जानकारी देते हुए बताया कि कि ग्रामीण क्षेत्रों में दूषित पानी की बहुत ज्यादा समस्या बढ़ जाती है।जल स्त्रोतों के आस पास जमा होने फिर वही पानी रिचार्ज वापिस आने उसी को पीने से समस्या बनती है। लोगों को चाहिए कि पानी को उबालकर छानकर या आरो का पानी पियें । अक्सर कर उल्टी-दस्त आंव पेचिस पेट दर्द की शिकायतें बढ़ती है। लोगों को चाहिए अपने इर्द-गिर्द साफ सफाई बनाकर रखें। भोज्यपदार्थ सामग्री को ढककर रखें। चाट नाश्ता की दुकानों पर सामग्री को ढक कर रखनी चाहिए मक्खियों को बिल्कुल बैठने ना दें।ऐसी स्थिति में संक्रामक बीमारियों को बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। फोटो क्रमांक 01

जलभराव ना हो मच्छरों को ना पनपने दें*

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डा दामोदर जाटव का कहना है कि बरसात के दिनों में अक्सर कर जल भराव की स्थिति सामने देखने को मिला करती है।जल भराव से मच्छर पनपते हैं। जिनसे मलेरिया और डेंगू जैसे मच्छर बढ़ते हैं।इनके काटने से डेंगू और मलेरिया बुखार बढ़ने की समस्या बढ़ जाती है।इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। तत्काल समीप के अस्पताल में जांच करानी चाहिए। और समुचित इलाज लेना चाहिए।

नाम व जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

मैं गीता यादव पत्नि विजय कुमार यादव स्थाई निवासी राजीव वार्ड कंदेली, थाना, तह. व जिला नरसिंहपुर म. प्र. की हूँ। मेरे आधार कार्ड का नंबर 949750788852 है। यह कि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं समस्त शासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम GEETA YADAV, गीता यादव एवं जन्मतिथि 21.12.1962 दर्ज है। किन्तु मेरे पति विजय कुमार यादव मिलिट्री में कार्यरत थे जो रिटायर्ड हो चुके है, उनके पी.पी.ओ. में मेरा नाम GEETA DAVI और जन्मतिथि 21.12.1964 लिखी है जो कि गलत है मेरा सही नाम GEETA YADAV एवं सही जन्मतिथि 21.12.1962 पी.पी.ओ. कार्ड में दर्ज किया जावे।

शपथकर्ता
गीता यादव